NT>

**Title:** Requests to fix the price of sugarcane and need to pay the balanced amount to the sugarcane growers.

श्री हरिकेवल प्रसाद (सलेमपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि पूरे देश में चीनी मिलों में गन्ने की पेराई का काम प्रारम्भ हो गया है और राज्य सरकारें अपने-अपने तरीके से गन्ने का मूल्य निर्धारित करती हैं। मेरा निवेदन है कि महंगाई के कारण समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गन्ने का मूल्य सौ रूपए क्विंटल निर्धारित होना चाहिए। विशेष कर उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश की सरकार की गन्ना नीति के कारण करीब ५० हजार गन्ना किसानों का गन्ना मूल्य बकाया पड़ा हुआ है। किसान अपनी पर्चियां लेकर घूमते फिर रहे हैं क्योंकि अभी तक बैंकों में उनके खाते भी नहीं खोले जा सके हैं।

हरि केवल प्रसाद जारी वे बराबर मांग करते रहे हैं। आज की दुर्दिन बेला में भी कई आदमी उनकी पर्चियों को लेने के लिए तैयार हैं। उन किसानों ने दस गाडी से पांच गाडी तक गन्ना उगाया। आज उनके परिवार की संख्या ५०,००० से अधिक हो गई है। उत्तर प्रदेश की सरकार उन किसानों के बकाया मूल्य को दिलवाने के लिए कोई कारगर कार्यवाही नहीं कर पा रही है। भारत सरकार के अधीन संचालित होने वाली चार मिलें गौरी बाजार, पड़रौना,कटकुइया(उ. प्र.)तथा मठौरा(बिहार) बंद कर दी गईं हैं।

... (व्यवधान)

उन चार मिलों के ऊपर गन्ना किसानों का करोड़ों रुपया बाकी है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि गन्ने का मूल्य सौ रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित करे और जिन गन्ना किसानों का पिछला गन्ने का मूल्य बाकी है वह उन्हें दिलाया जाए।

... (व्यवधान)

महोदय, मेरी पुनः सरकार से मांग है कि उन गन्ना किसानों की बकाया राशि को दिलवाने का उचित प्रबंध करवाएं।